Mizo Rebels from Pakistan

252. **Shri Bade:**
Shri P. C. Borooah:
Shri Hukam Chand Kachhavaiya:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a band of armed Mizo Rebels has recently re-entered into Mizo District from East Pakistan after receiving arms and training in Guerilla warfare;

(b) if so, in what circumstances; and

(c) the reaction of Government thereto?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs and Minister of Defence Supplies in the Ministry of Defence (Shri Hathi): (a) Yes Sir. Mizo rebels have been going to East Pakistan for training and have returned with arms. One gang is reported to have returned in October, 1966.

(b) In view of the long frontiers with East Pakistan and the nature of the terrain it is difficult to totally prevent people from entering in small batches.

(c) All possible steps have been taken to prevent movement across the border.

गायों को विष दिया जाना

253. **श्री बागड़ी :**
डा० राम मनोहर लोहिया :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अक्तूबर 1966 के प्रथम सप्ताह में दिल्ली में मन्जीमंडी क्षेत्र में कुछ गायों को विष देकर उनकी हत्या कर दी गई थी ; और

(ख) यदि हां तो क्या इस सम्बन्ध में कुछ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है; और यदि हां तो उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ।

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) पुलिस को ऐसी किसी घटना की सूचना नहीं मिली ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

हुसैनीवाला सीमा पर भारतीय नागरिकों का लापता हो जाना

254. **श्री बड़े :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 2 अक्तूबर 1966 के "वीर अर्जुन" में छपे एक समाचार के अनुसार भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित फीरोजपुर हुसैनीवाला से तीन भारतीय नागरिक लापता हो गये हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि ये लोग 'भगत सिंह समाधि' देखने गये थे और उन में से दो छात्र थे ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार ने इस मामले में क्या कार्यवाही की है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) और (ख): जी हां । तीन भारतीय नागरिक जो 28 सितम्बर 1966 को भगत सिंह की समाधि देखने गये थे अनजाने पाकिस्तानी क्षेत्र में प्रविष्ट हो गये और पाकिस्तानी रेंजरों द्वारा गिरफ्तार कर लिये गये ।

(ग) फीरोजपुर स्थित सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने इस मामले को पाकिस्तानी रेंजरों के साथ उठाया और 24 अक्तूबर 1966 को इन व्यक्तियों को वापस प्राप्त कर लिया ।